6

होली की कथा

पाठ परिचय- प्रस्तुत पौराणिक कथा द्वारा ईश्वर की सच्चे हृदय से भक्ति एवं स्मरण करने की प्रेरणा दी गई है। हिरण्यकश्यप नाम के राक्षस का प्रह्लाद नामक पुत्र था। वह राक्षस के शत्रु भगवान विष्णु का सच्चा भक्त था। जब हिरण्यकश्यप को प्रह्लाद के गुरु से यह पता चला तब उसने प्रह्लाद को रोका, नहीं मानने पर सर्पों की कोठरी में बंद किया, पहाड़ से फिंकवाया, हाथी के सामने डाला परन्तु हिरण्यकश्यप भक्त प्रह्लाद का कुछ बिगाड़ न सका। अंत में बहन होलिका जिसे वरदान में न जलने वाला कंबल मिला था उसे ओढ़कर प्रह्लाद को गोद में लेकर आग में बैठ गई परन्तु अग्नि प्रह्लाद के लिए बर्फ सी शीतल हो गई और होलिका जलकर भस्म हो गई। इसी कारण होली के दिन होलिका जलाई जाती है। क्रोधित हिरण्यकश्यप ने प्रह्लाद को लोहे के खम्भे से बाँधकर मारने के लिए तलवार उठाई परन्तु लोहे के खम्भे से नरसिंह रूप में भगवान विष्णु ने निकलकर राक्षस को मार डाला। इस प्रकार यह रंगों के साथ बुराई पर अच्छाई की विजय का पर्व है।

1. व्याकरणिक परिचय-

(क) दिए गए विशेष्यों के आगे विशेषण शब्द लगाइए-

..... जीवन ..... भक्त

..... शक्ति ..... भावना

..... दहन

(ख) दिए गए शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए-

घोर - ..... सर्प - .....

आज्ञा - ..... भस्म - .....

कृपा - .....

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(क) हिरण्यकश्यप कौन था? उसका परम शत्रु कौन था?

.....

(ख) उसने तपस्या क्यों की?

.....

(ग) प्रह्लाद कौन था? वह किसका भक्त था?

.....

(घ) होलिका कौन थी? उसे वरदान में क्या मिला था?

.....

(ङ) होली कब मनाई जाती है? यह किसका प्रतीक है?

.....

3. नीचे लिखे कथनों को किसने, किससे कहा लिखिए।

(क) ''मेरी बहन होलिका को बुलाओ।''

किसने – ..... किससे – .....

(ख) ''सभी जगह तो है भगवान।''

किसने – ..... किससे – .....

(ग) ''कहाँ है तेरा भगवान?''

किसने – ..... किससे – .....

(घ) ''मैं अभी तलवार से तुम्हारे दो टुकड़े करता हूँ।''

किसने – ..... किससे – .....

4. आओ सीखें-

(क) जिन क्रियाओं को कर्ता स्वयं न करके दूसरों से कराए या करने की प्रेरणा दे, वे 'प्रेरणार्थक क्रियाएँ' कहलाती हैं। जैसे-

राधा माली से पौधे <u>लगवा रही</u> है।

अध्यापक छात्र से पाठ <u>पढ़वा रहे</u> हैं।

प्रह्लाद को हाथी के आगे <u>डलवाया</u>।

(ख) दिए गए वाक्यों में प्रेरणार्थक क्रिया का प्रयोग कर पुनः लिखिए-

1. राक्षस ने होलिका को बुलाया।

.....

2. राजा ने प्रह्लाद को पहाड़ से गिराया।

.....

3. माँ खाना बनाती है।

.....